# अरोमा मिशन

[स्रोत: पी.आई.बी.](#).

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि **पूर्वोत्तर क्षेत्र** के साथ-साथ **जम्मू एवं कश्मीर (J&K)** भी अरोमा मिशन की प्राथमिकता सूची में रहा है।

- **परिचय:** इसे जम्मू-कश्मीर में शुरू किया गया था और इसका उद्देश्य **सुगंधित फसलों** की खेती और आवश्यक तेलों के उत्पादन को बढ़ाकर भारत के **अरोमा उद्योग** को बढ़ावा देना है। इसे लैवेंडर क्रांति के नाम से जाना जाता है।
  - सुगंधित फसलें (जैसे **गुलाब, पुदीना**), **सुगंधित तेलों** के लिये उगाए जाने वाले पौधे हैं, जिनका **उपयोग सौंदर्य प्रसाधन एवं अरोमाथेरेपी** जैसे उद्योगों में किया जाता है।
- **लक्ष्य**: यह उच्च मूल्य वाली सुगंधित फसलों जैसे **लेमनग्रास, लैवेंडर, वेटिवर, पामारोसा** और अन्य की खेती पर केंद्रित है।
- **संबंधित पहल: किसानों को उन्नत प्रौद्योगिकियाँ और सुविधाएँ प्रदान करने के क्रम में CSIR-उत्तर पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (CSIR-NEIST), जोरहाट** में इनक्यूबेशन **एवं इनोवेशन कॉम्प्लेक्स (आईआईसीओएन)** का उद्घाटन किया गया।
  - CSIR-NEIST द्वारा पूर्वोत्तर में **5,000 से अधिक हेक्टेयर** में सुगंधित फसलें उगाने में भूमिका निभाने के साथ **39 आवश्यक तेल आसवन इकाइयाँ** स्थापित की गई हैं।
- **संभावित प्रभाव**: इसके तहत **प्रतिवर्ष 300 करोड़ रुपए** से अधिक मूल्य के **2000 टन से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले आवश्यक तेलों** का उत्पादन लक्षित है।
  - **इससे ग्रामीण क्षेत्र में 60 लाख मानव दिवस रोज़गार** सृजित होने तथा किसानों की आय में प्रतिवर्ष 60,000 से 70,000 रुपए प्रति हेक्टेयर की वृद्धि होने की उम्मीद है।
- **नोडल एजेंसी:** इसकी नोडल एजेंसी **CSIR-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (CSIR-CIMAP), लखनऊ** है।

**और पढ़ें:** अरोमा मिशन और फ्लोरीकल्चर मिशन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aroma-mission-2